प्रश्न: जब परमेश्वर कहते हैं कि वह “देवताओं का परमेश्वर” है, तो
इसका क्या अर्थ है? क्या इसका मतलब है कि वह मूरतों का भी परमेश्वर
है?

उत्तर:

यह वाक्यांश व्यवस्थाविवरण 10:17 में मिलता है, जहाँ लिखा है:

“क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा देवताओं का परमेश्वर और प्रभुओं का प्रभु है। वह महान् परमेश्वर, पराक्रमी और भययोग्य है।
वह किसी का पक्षपात नहीं करता और न घूस लेता है।”
(व्यवस्थाविवरण 10:17, ERV-Hindi)

पहली नज़र में ऐसा लग सकता है कि परमेश्वर अन्य ‘देवताओं’ — यानी मूरतों — से ऊपर है।
लेकिन बाइबल को पूरा पढ़ने पर साफ़ होता है कि इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है।
परमेश्वर मूरत-पूजा को कठोरता से निषिद्ध करता है (निर्गमन 20:3–5), और बाइबल मूरतों को निर्बल, मनुष्य के बनाए हुए वस्तु बताती है (भजन 115:4–8)।

तो फिर ये “देवता” कौन हैं जिनके ऊपर परमेश्वर को “देवताओं का परमेश्वर” कहा गया है?

1. बाइबल में “देवता” शब्द का अर्थ — मूरतें नहीं, बल्कि परमेश्वर के

प्रतिनिधि

यीशु स्वयं इस विषय को स्पष्ट करते हैं।
यूहन्ना 10:33–36 में यहूदी अगुवे यीशु पर ईश्वर होने का दावा करने के कारण आरोप लगा रहे थे। तब यीशु ने कहा:

“उन्होंने उत्तर दिया, ‘हम तुझे किसी अच्छे काम के कारण नहीं,
बल्कि निन्दा के कारण मारना चाहते हैं, क्योंकि तू मनुष्य होकर
अपने आप को परमेश्वर बताता है।’
यीशु ने उत्तर दिया, ‘क्या तुम्हारी व्यवस्था में नहीं लिखा है, “मैंने कहा, तुम देवता हो”?’
यदि उसने उन्हें ‘देवता’ कहा जिनके पास परमेश्वर का वचन पहुँचा — और पवित्र शास्त्र तो टल नहीं सकता — तो जिसे पिता ने पवित्र ठहराकर संसार में भेजा, तुम उससे क्यों कहते हो कि ‘तू निन्दा करता है’, क्योंकि मैंने कहा, ‘मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ’?”
(यूहन्ना 10:33–36, ERV-Hindi)

यीशु यहाँ भजन 82:6 उद्धृत कर रहे थे:

“मैंने कहा, ‘तुम देवता हो; तुम सब परमप्रधान के पुत्र हो।’”
(भजन संहिता 82:6, ERV-Hindi)

इससे पता चलता है:

“देवता” शब्द का अर्थ दिव्य प्राणी नहीं है
यह उन लोगों को संबोधित करता है जिन्हें परमेश्वर का वचन और न्याय का दायित्व सौंपा
गया — जैसे न्यायी, भविष्यद्वक्ता, या आध्यात्मिक अगुवे
व्यापक रूप में यह हर उस व्यक्ति पर लागू होता है जो परमेश्वर की आत्मा से जन्मा है और उसके स्वभाव को प्रतिबिंबित करता है (रोमियों 8:14–17)

2. परमेश्वर की छवि में बनाए गए उसके बच्चे

उत्पत्ति 1:26 में लिखा है:

“फिर परमेश्वर ने कहा, ‘हम मनुष्य को अपनी छवि और अपनी समानता पर बनाएँ…’”
(उत्पत्ति 1:26, ERV-Hindi)

इसका अर्थ है कि मनुष्य को परमेश्वर के स्वभाव, चरित्र और कार्यों को प्रतिबिंबित करने के लिए बनाया गया था।

इसी कारण यीशु कहते हैं:

“मैं तुम से सच कहता हूँ, जो मुझ पर विश्वास करता है, वह वे काम
करेगा जो मैं करता हूँ।”
(यूहन्ना 14:12, ERV-Hindi)

यानी परमेश्वर आज भी अपने बच्चों के द्वारा अपनी सामर्थ्य प्रकट करता है।
और 2 पतरस 1:3–4 बताता है कि विश्वासियों को उसके दैवीय स्वभाव में भाग मिलता है।

3. “देवताओं का परमेश्वर,” “राजाओं का राजा,” “प्रभुओं का प्रभु” — एक ही सत्य

जब बाइबल परमेश्वर को “देवताओं का परमेश्वर” कहती है, तो इसका अर्थ बिल्कुल वैसा है जैसा:

प्रश्न: जब परमेश्वर कहते हैं कि वह “देवताओं का परमेश्वर” है, तो
इसका क्या अर्थ है? क्या इसका मतलब है कि वह मूरतों का भी परमेश्वर
है?

“राजाओं का राजा”
“प्रभुओं का प्रभु”

(प्रकाशितवाक्य 19:16)

इसका अर्थ यह नहीं है कि वह मूरतों या भ्रष्ट नेताओं का परमेश्वर है। बल्कि इसका अर्थ यह है:

जो भी वास्तविक अधिकार रखते हैं — जो सच में परमेश्वर के अधीन हैं — उन सब पर वही सर्वोच्च है।

4. परमेश्वर के बच्चों के लिए बुलाहट — उसके स्वभाव को प्रदर्शित करना

“देवता” कहलाना कोई गौरव का पद नहीं है, बल्कि एक जीवन की जिम्मेदारी है।
एक सच्चा परमेश्वर का बच्चा वह है जिसका जीवन आत्मा के फल को दर्शाता है:

“पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धैर्य, कृपा, भलाई, विश्वास,

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

नम्रता और आत्म-संयम है।”
(गलातियों 5:22–23, ERV-Hindi)

यदि हमारा जीवन परमेश्वर जैसा नहीं है, तो केवल शब्दों से हम उसके बच्चे नहीं बन जाते।

अंत में एक प्रोत्साहन

आइए हम परमेश्वर को गहराई से जानें, उसके वचन में स्थिर रहें, और उसके आत्मा के साथ चलें—
ताकि हम उस उच्च बुलाहट के योग्य बनें जिसके लिए हमें उसका “बच्चा” कहा गया है।

“इस कारण, प्रिय बच्चों के समान, तुम परमेश्वर का अनुकरण करो।” (इफिसियों 5:1, ERV-Hindi)

परमेश्वर आपको बहुतायत से आशीष दे!

Share on:
WhatsApp